UNIVERSITY NEWS 31 AUGUST 2026

AMRIT VICHAR

डिजिटल सुविधा | डिजीलॉकर पर 'इशूइंग अथॉरिटी' बनने वाला देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बना लखनऊ विवि

लविवि में डिजीलॉकर पर जारी होंगे छात्र पहचान पत्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

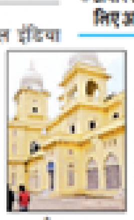

अमृत विचार: डिजिटल इंडिया मिशन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को धरातल पर उतारते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा और छात्र-सुविधाओं के क्षेत्र में डिजीलॉकर पर पहचान पत्र जारी करने जा रहा है। आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से विश्वविद्यालय अपने मुख्य परिसर, द्वितीय परिसर और समस्त संकायों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आधिकारिक पहचान पत्र सीधे केंद्र सरकार के "डिजीलॉकर" प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराएगा। इस प्रकार की व्यवस्था करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय "इशूइंग अथॉरिटी" के रूप में देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है।

- अपार आईडी होगी सभी के लिए अनिवार्य

नवीन प्रणाली के सुचारू क्रियान्वयन के लिए विद्यार्थियों के पास केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त 'पंजीकृत अपार आईडी' होना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय का डेटाबेस सीधे डिजीलॉकर सिस्टम से एकीकृत रहेगा, जिससे प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क जमा होते ही अधिकृत डिजिटल पहचान पत्र सीधे छात्र के डिजीलॉकर खाते में उपलब्ध हो जाएगा।

> लखनऊ विश्वविद्यालय निरंतर तकनीक-आधारित, पारदर्शी और विद्यार्थी-हितैषी गुड गवर्नेंस की दिशा में नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय स्वयं इशूइंग अथॉरिटी के रूप में डिजीलॉकर पर विद्यार्थियों के पहचान पत्र जारी कर रहा है, जो डिजिटल उत्तर प्रदेश और डिजिटल इंडिया के संकल्प को मजबूती प्रदान करता है।
>
> -प्रो. जेपी सैनी, कुलपति

डिजिटल पहचान पत्र से मिलने वाले लाभ

- स्मार्टफोन में उपलब्धता: विद्यार्थियों के स्मार्टफोन में डिजीलॉकर ऐप पर पहचान पत्र हमेशा उपलब्ध रहेगा। इससे कार्ड के खोने, टूटने, फटने या चोरी होने का जोखिम समाप्त हो जाएगा तथा डुप्लीकेट कार्ड बनवाने की औपचारिकताओं से राहत मिलेगी।
- फर्जीवाड़े की रोकथाम: 'वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी' से लिंक होने के कारण छात्र का शैक्षणिक रिकॉर्ड और पहचान पत्र एक ही सुरक्षित प्लेटफॉर्म पर रहेंगे। जैसे ही छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करेगा, यह पहचान पत्र स्वतः निष्क्रिय हो जाएगा, जिससे जाली पहचान पत्र बनने की संभावना शून्य हो जाएगी।
- त्वरित क्यूआर सत्यापन: सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के अंतर्गत ये डिजिटल पहचान पत्र कानूनी रूप से 100 प्रतिशत मान्य हैं। कार्ड में लगे डायनामिक क्यूआर कोड के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं, यात्रा रियायतों और बैंकों में इसकी प्रामाणिकता तुरंत जांची जा सकेगी।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि में अब डिजीलॉकर में मिलेगा छात्रों का आईडी कार्ड

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। डिजिटल शिक्षा और पेपरलेस व्यवस्था की दिशा में लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर, द्वितीय परिसर और सभी संकायों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आधिकारिक आईडी कार्ड डिजीलॉकर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस व्यवस्था में विद्यार्थियों की अपार आईडी को भी जोड़ा जाएगा।

विश्वविद्यालय के अनुसार, लखनऊ विश्वविद्यालय स्वयं इश्यूइंग अथॉरिटी के रूप में डिजीलॉकर पर विद्यार्थियों के आधिकारिक डिजिटल पहचान पत्र जारी करने वाला देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है। इस पहल को डिजिटल इंडिया मिशन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तकनीक आधारित एवं विद्यार्थी-केंद्रित व्यवस्था से जोड़कर देखा जा रहा है।

डिजीलॉकर पर डिजिटल आईडी प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों के पास अपार आईडी होना अनिवार्य होगा। प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क जमा होने के बाद अधिकृत डिजिटल पहचान पत्र विद्यार्थी के डिजीलॉकर खाते में उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को भौतिक आईडी कार्ड हर समय साथ रखने की जरूरत नहीं होगी।

स्मार्टफोन में डिजीलॉकर के माध्यम से डिजिटल आईडी उपलब्ध रहने से कार्ड के खोने, टूटने या चोरी होने जैसी समस्याओं से भी राहत मिलेगी। डिजिटल आईडी कार्ड में क्यूआर कोड उपलब्ध होगा, जिसके माध्यम से पहचान पत्र की प्रामाणिकता का डिजिटल सत्यापन किया जा सकेगा। जरूरत पड़ने पर अधिकृत संस्थान या एजेंसी आईडी की वैधता की जांच कर सकेगी।

पढ़ाई पूरी होते ही निष्क्रिय हो जाएगी आईडी : विश्वविद्यालय की नई व्यवस्था में डिजिटल आईडी को विद्यार्थी की अध्ययन अवधि से जोड़ा जाएगा। पढ़ाई पूरी होने के बाद संबंधित डिजिटल आईडी की वैधता समाप्त अथवा उसे निष्क्रिय कर दिया जाएगा। इससे पुराने पहचान पत्र के अनधिकृत इस्तेमाल की आशंका कम होगी।

डिजिटल आईडी की व्यवस्था से पीवीसी कार्ड और लेमिनेशन के इस्तेमाल में कमी आएगी। इससे प्लास्टिक की खपत घटने के साथ विश्वविद्यालय के ग्रीन कैंपस अभियान को भी बढ़ावा मिलेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने कहा कि विश्वविद्यालय तकनीक आधारित, पारदर्शी और विद्यार्थी हितैषी गुड गवर्नेंस की दिशा में लगातार काम कर रहा है।

डिजीलॉकर पर विश्वविद्यालय की ओर से डिजिटल आईडी जारी करना डिजिटल उत्तर प्रदेश और डिजिटल इंडिया के संकल्प को मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि अपार आईडी से जुड़ी यह व्यवस्था विद्यार्थियों को 24 घंटे सुलभ और सुरक्षित डिजिटल पहचान उपलब्ध कराएगी। विश्वविद्यालय का लक्ष्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पेपरलेस और त्वरित बनाकर विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। विश्वविद्यालय की आईटी टीम ने डिजिटल आईडी व्यवस्था के लिए आवश्यक तकनीकी एकीकरण पूरा कर लिया है। विद्यार्थियों के लिए जल्द ही इसके उपयोग और प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

TIMES OF INDIA

VC: Move aligns with vision of Digital UP

▶Continued from P 1

Vice-chancellor Prof JP Saini said the decision aligns with the vision of Digital Uttar Pradesh and Digital India, adding that integration with APAAR IDs will provide students with a secure, legally valid and easily accessible digital identity at all times.

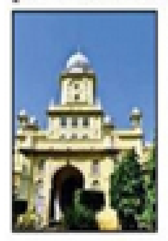

Officials said the linking of DigiLocker IDs with APAAR under the 'One Nation, One Student ID' framework will consolidate student identity credentials and academic records on a single secure platform, reducing the possibility of forged or fake identity cards. The digital ID will automatically become inactive once a student completes the course.

The DigiLocker-based cards will remain accessible 24x7 via smartphones, reducing dependence on physical cards and the hassles of replacements in case of loss, damage or theft.

The IDs will feature dynamic QR codes to enable instant verification by examination authorities, banks, transport agencies and other institutions.

The university also expects the initiative to support its green campus goals by cutting the use of PVC cards and lamination materials. Officials noted that DigiLocker documents are recognised under the Information Technology Act, giving the digital identity cards full legal validity.

LU 1st state univ to offer DigiLocker-verified IDs

Lucknow: The Lucknow University has decided to issue official student identity cards through the Government of India's DigiLocker platform starting from the academic session 2026-27, marking a key step in the Digital India Mission and the state's push for technology-driven governance.

With the move, the university will act as an Issuing Authority on DigiLocker, and officials said it will become the first state university in the country to provide digitally authenticated student ID cards directly on the platform. The facility will be extended to students of both university campuses.

Students will receive their digital identity cards in DigiLocker accounts after fee payment, admission formalities

Under the new arrangement, students will receive their authorised digital identity cards in their DigiLocker accounts immediately after completing admission and fee payment formalities. To access the service, students will need a registered APAAR ID (Automated Permanent Academic Account Registry), which the university has made mandatory to ensure smooth implementation. TNN

▶Digital UP, P 3

AAJ

नए सत्र से डीजीलॉकर पर मिलेंगे विद्यार्थियों के आधिकारिक आईडी कार्ड

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा डिजिटल उत्तर प्रदेश, ई-गवर्नेंस और तकनीक आधारित पारदर्शी व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल की है। विश्वविद्यालय आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से अपने मुख्य परिसर, द्वितीय परिसर और सभी संकायों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आधिकारिक आईडी कार्ड्स को भारत सरकार के डीजीलॉकर प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने जा रहा है। इस व्यवस्था के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय स्वयं इस्यूइंग अथॉरिटी के रूप में कार्य करेगा। विश्वविद्यालय का कहना है कि डीजीलॉकर पर विद्यार्थियों के आधिकारिक पहचान पत्र जारी करने वाला वह देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है। नई व्यवस्था को डिजिटल इंडिया मिशन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अन्तर्गत विद्यार्थी-केंद्रित एवं तकनीक आधारित विजन के अनुरूप लागू किया जा रहा है। प्रदेश सरकार लगातार सरकारी एवं शैक्षणिक संस्थानों में पेपरलेस कार्यप्रणाली, डिजिटल सेवाओं, पारदर्शी प्रशासन और तकनीक आधारित गुड गवर्नेंस को बढ़ावा दे रही है। उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय के मार्गदर्शन में लखनऊ विश्वविद्यालय की यह पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इससे विद्यार्थियों को पहचान पत्र से जुड़ी सुविधाएं डिजिटल माध्यम से उपलब्ध होंगी और कागजी तथा भौतिक प्रक्रियाओं पर निर्भरता कम होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, इस पहल से शैक्षिक सेवाओं को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित, त्वरित और विद्यार्थी हितैषी बनाया जा सकेगा।

अपार आईडी से होगा एकीकरण

AMAR UJALA

अब विद्यार्थियों के पहचान पत्र भी डिजी लॉकर पर होंगे जारी

ऐसा करने वाले देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बना लखनऊ विवि

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लखनऊ विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के पहचान पत्र भारत सरकार के डिजी लॉकर प्लेटफॉर्म पर जारी करेगा। ऐसा करने वाला यह देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि यह पहल डिजिटल इंडिया मिशन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विश्वविद्यालय स्वयं 'इशुइंग अथॉरिटी' के रूप में कार्य करेगा। इस नई व्यवस्था के लिए विद्यार्थियों के पास पंजीकृत अपार आईडी होना अनिवार्य होगा। कुलपति ने बताया कि यह व्यवस्था विद्यार्थियों को 24 घंटे सुलभ, कानूनी रूप से वैध और सुरक्षित डिजिटल पहचान प्रदान करेगी। इससे प्रशासनिक प्रक्रियाएं कागजरहित, त्वरित और तकनीक-संचालित बनेंगी। डिजी लॉकर पर पहचान पत्र उपलब्ध होने से छात्रों को कई लाभ मिलेंगे। इसमें न तो कार्ड खोने का भय होगा और न ही डुप्लीकेट कार्ड बनवाने की परेशानी होगी। यह पर्यावरण के अनुकूल भी है क्योंकि प्लास्टिक कार्ड की खपत कम होगी।

नई व्यवस्था के लिए विद्यार्थियों के पास पंजीकृत अपार आईडी होना अनिवार्य

डिजीलॉकर के लाभ

विद्यार्थियों के स्मार्टफोन में डिजी लॉकर एप पर पहचान पत्र हमेशा उपलब्ध रहेगा। इससे कार्ड के खोने, टूटने या चोरी होने का जोखिम खत्म हो जाएगा। छात्रों को बार-बार डुप्लीकेट कार्ड बनवाने की औपचारिकताओं से राहत मिलेगी। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत यह डिजिटल पहचान पत्र कानूनी रूप से 100 फीसदी मान्य है। इसमें लगे डायनामिक क्यूआर कोड से इसकी प्रामाणिकता तुरंत जांची जा सकेगी।

फर्जीवाड़े पर भी लगेगी रोक

लखनऊ विश्वविद्यालय का डाटाबेस सीधे डिजी लॉकर सिस्टम से एकीकृत रहेगा। प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क जमा होते ही डिजिटल पहचान पत्र छात्र के डिजी लॉकर खाते में उपलब्ध हो जाएगा।

- अपार आईडी से जुड़ने के कारण शैक्षणिक रिकॉर्ड और पहचान पत्र एक ही सुरक्षित प्लेटफार्म पर लिंक रहेंगे। इससे किसी भी प्रकार के फर्जीवाड़े या जाली पहचान पत्र बनने की संभावना शून्य हो जाएगी। डिजिटल कार्ड के उपयोग से प्लास्टिक और लेमिनेशन शीट की खपत में भारी कमी आएगी, जिससे विश्वविद्यालय हरित परिसर की ओर बढ़ेगा।

DAINIK JAGRAN

डिजीलाकर पर विद्यार्थियों के पहचान पत्र

- ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बनेगा लवि
- स्मार्टफोन में हमेशा सुरक्षित रहेगा अधिकृत डिजिटल पहचान पत्र

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) सत्र 2026-27 से सभी छात्र-छात्राओं के पहचान पत्र (आइडी कार्ड) डिजीलाकर पर जारी करेगा। स्मार्टफोन में अधिकृत डिजिटल पहचान पत्र हमेशा सुरक्षित रहेगा। इस व्यवस्था के तहत लवि स्वयं 'इशुइंग अथारिटी' के रूप में कार्य करेगा। ऐसा करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है।

डिजिटल इंडिया मिशन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विजन के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय ने यह निर्णय निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय अपने मुख्य परिसर, द्वितीय परिसर और सभी संकायों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का आधिकारिक पहचान पत्र केंद्र सरकार के 'डिजीलाकर' प्लेटफार्म पर सीधे उपलब्ध कराने जा रहा है। इस नवीन प्रणाली के सुचारू क्रियान्वयन के लिए विद्यार्थियों के पास पंजीकृत अपार आइडी अनिवार्य होगी। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि यह व्यवस्था विद्यार्थियों को 24 घंटे सुलभ, कानूनी रूप से वैध और सुरक्षित डिजिटल पहचान देगी। डिजीलाकर पहचान पत्र होने से लवि का डेटाबेस सीधे डिजीलाकर सिस्टम से एकीकृत रहेगा, जिससे प्रवेश प्रक्रिया व शुल्क जमा होते ही अधिकृत डिजिटल पहचान पत्र सीधे छात्र के डिजीलाकर खाते में उपलब्ध हो जाएगा। 'वन नेशन, वन स्टूडेंट आइडी' से जुड़ने के कारण विद्यार्थी का शैक्षणिक रिकार्ड और पहचान पत्र एक सुरक्षित प्लेटफार्म पर लिंक रहेंगे, जिससे किसी भी प्रकार के फर्जीवाड़े या जाली पहचान पत्र बनने की संभावना शून्य हो जाएगी। जैसे ही विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पूरी करेगा, यह पहचान पत्र स्वतः बंद हो जाएगा।

तुरंत हो सकेगी प्रमाणिकता की जांच : डिजीलाकर एप पर पहचान पत्र हमेशा उपलब्ध रहने से कार्ड के खोने, टूटने, फटने या चोरी होने का जोखिम समाप्त हो जाएगा। बार-बार डुप्लीकेट कार्ड बनवाने का झंझट भी नहीं रहेगा। डिजीलाकर से जारी डिजिटल पहचान पत्र कानूनी रूप से 100 प्रतिशत मान्य हैं। कार्ड में लगे डायनामिक क्यूआर कोड के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं, यात्रा रियायतों, बैंकों और अन्य संस्थानों में इसकी प्रमाणिकता तुरंत जांची जा सकेगी। डिजिटल कार्ड के व्यापक उपयोग से प्लास्टिक और लेमिनेशन शीट की खपत में कमी आएगी। विश्वविद्यालय की आइटी टीम ने इस व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक तकनीकी प्रक्रिया पूरी कर ली है।

वालीबाल में एनसीसी टीम ने दर्ज की जीत

लखनऊ : राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वाधान में तीन दिवसीय विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। ताइक्वांडो, वालीबाल, बैडमिंटन एवं रग्बी सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ताइक्वांडो में खिलाड़ियों ने अलग अलग विधाओं में संयुक्त प्रदर्शन किया। रग्बी में सीनियर टीम ने जीत दर्ज की। वहीं, वालीबाल में एनसीसी की टीम विजेता बनी। इस अवसर पर वालीबाल क्लब के प्रेसिडेंट प्रो. मोहम्मद तारिक, जुडो क्लब के प्रेसिडेंट डा रजनीश यादव, टग आफ वार क्लब के कोआर्डिनेटर डा. शरद चौरसिया, डा. जीशान व रग्बी के कोच अमित कुमार रहे। वि.

I NEXT

I NEXT

एलयू में अब 'डिजिलॉकर' पर मिलेंगे स्टूडेंट्स के आईकार्ड

ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बनेगा एलयू

GOOD NEWS

लखनऊ यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के लिए नई सुविधा

CONCEPT PIC

सुरक्षित प्लेटफार्म पर लिंक

सुरक्षित डिजिटल पहचान

तुरंत होगी आईकार्ड की प्रमाणिकता जांच

BREAKING NEWS | जुड़िए हमारे व्हाट्सएप चैनल से | सिटी की ब्रेकिंग न्यूज से रहें अब रियल टाइम अपडेट | Scan करें ये QR Code और Follow करें हमारा चैनल

NBT

मेस में पुराने रेट पर ही मिलेगा खाना

पढ़ाई के बाद अब LU में खाना भी हुआ महंगा

NBT

एलयू में छात्रों को मिलेंगे डिजिटल आईकार्ड

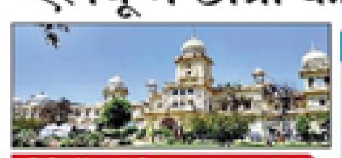

डिजिलॉकर में किया जाएगा अपलोड, पढ़ाई पूरी होते ही स्वतः खत्म हो जाएगा छात्र का आईडी कार्ड

तीन UG पाठ्यक्रमों में सीधे दाखिले का मौका

AMRIT VICHAR

लविवि में खेलों से जुड़ने के लिए किया प्रेरित

- विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के नेतृत्व में "खेलेगा भारत–जीतेगा भारत" और "एक घंटा खेल के मैदान में" जैसे संदेशों के माध्यम से विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसी प्रकार बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं ने विविध खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया और हॉकी के जादूगर को उनके योगदान के लिए याद किया।

प्रबंधन के पाठ्यक्रमों में कैट से प्रवेश लेगा लविवि

- अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रबंधन पाठ्यक्रम बीबीए और एमबीए में प्रवेश के लिए नई नीति जारी की है। राज्य विश्वविद्यालय में लखनऊ विश्वविद्यालय सर्वप्रथम छात्र-छात्राओं का प्रवेश कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के माध्यम से करेगा। विश्वविद्यालय ने इस शैक्षणिक सत्र से अपने फ्लैगशिप एमबीए कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थानों की ओर से संचालित 'कॉमन एडमिशन टेस्ट' को अपनाने की घोषणा की है। इस निर्णय के साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रतिष्ठित प्रबंधन कार्यक्रम अब देश के शीर्ष बी स्कूलों के समकक्ष राष्ट्रीय प्रवेश मंच पर आ गया है। प्रबंधन विभागाध्यक्ष प्रो. ऋतु नारंग ने कहा कि कैट आधारित प्रवेश प्रणाली अपनाने से देशभर के प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों के लिए हमारे द्वार और अधिक व्यापक रूप से खुल गये हैं। इससे चयन प्रक्रिया में राष्ट्रीय स्तर की योग्यता और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। प्रो. नारंग ने कैट परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों से पंजीकरण और च्वॉइस-फिलिंग के दौरान डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट विश्वविद्यालय का विकल्प चुनने की अपील की है। विभाग ने एनईपी के अनुरूप अपने एमबीए और पीएचडी के संपूर्ण पाठ्यक्रम को भी अद्यतन किया है। इसके अंतर्गत मार्केटिंग, फाइनेंस, एचआर और इंटरनेशनल बिजनेस जैसी विशेषज्ञताओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को समाहित किया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रबंध अध्ययन संकाय सात दशकों की समृद्ध विरासत को सहेजे हुए है। वर्ष 1956 में वाणिज्य संकाय के तहत स्थापित यह विभाग देश के सबसे पुराने प्रबंधन संस्थानों में से एक है। 1970 के दशक के मध्य में इसे औपचारिक रूप से एमबीए के रूप में पुनर्गठित किया गया था। इस वर्ष विभाग में 300 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है।

AMAR UJALA

रग्बी में सीनियर टीम की जीत

लखनऊ। राष्ट्रीय खेल दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय में 28 से 30 अगस्त तक लविवि एथलेटिक एसोसिएशन और शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन और रग्बी प्रतियोगिताएं हुईं। रग्बी में सीनियर टीम ने जीत दर्ज की, जबकि वॉलीबॉल में एनसीसी की टीम विजेता रही। ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने विभिन्न विधाओं में संयुक्त प्रदर्शन किया। इस दौरान शारीरिक शिक्षा की विभागाध्यक्ष प्रो. शशि कनौजिया, एथलेटिक एसोसिएशन के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य, वॉलीबॉल क्लब के अध्यक्ष प्रो. मो. तारिक, जूडो क्लब अध्यक्ष डॉ. रजनीश यादव, टग ऑफ वार क्लब समन्वयक डॉ. शरद चौरसिया मौजूद रहे। (संवाद)

HINDUSTAN

एलयू में अब डिजिलॉकर पर मिलेंगे छात्रों के आईडी कार्ड

फैसला

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। एलयू ने शैक्षणिक सत्र 2026- 27 से विद्यार्थियों के आधिकारिक पहचान पत्र को डिजिटल करने का निर्णय लिया है। नए सत्र से मुख्य परिसर, द्वितीय परिसर व सभी संकायों के छात्रों के आईडी कार्ड सीधे भारत सरकार के डिजीलॉकर प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस व्यवस्था में विवि स्वयं इशूइंग अथॉरिटी के रूप में कार्य करेगा।

विश्वविद्यालय के अनुसार डिजिलॉकर पर आधिकारिक डिजिटल पहचान पत्र जारी करने वाला एलयू देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है। डिजिटल आईडी कार्ड के लिए विद्यार्थियों के पास पंजीकृत एपार आईडी होना अनिवार्य होगा। डेटाबेस डिजीलॉकर सिस्टम से एकीकृत किया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया व शुल्क जमा होने के बाद विद्यार्थी का अधिकृत डिजिटल पहचान पत्र उसके डिजीलॉकर खाते में उपलब्ध कराया जाएगा। कार्ड ऐप में चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा, जिससे कार्ड खोने, टूटने या चोरी होने पर नया कार्ड बनवाने की जरूरत कम होगी। कुलपति प्रो जे पी सैनी ने कहा कि आईटी टीम ने तकनीकी एकीकरण पूरा कर लिया है, जल्द विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे।